MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:09 & 10 JULY 2026

संबोधन

एमसीयू में एआई फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स विषय पर एफडीपी आरंभ

आज की दुनिया में एआई एक अनिवार्य हस्तक्षेप : कुलगुरू

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को नई तकनीक पढ़ाते हुए शिक्षकों को खुद भी तैयार रहना होगा। संस्थान और शिक्षक स्वयं को नई तकनीकों और बदलावों के साथ अपडेट करते रहें। जब भी मीडिया जगत में नई तकनीक आई पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने उसके साथ कदमताल करते हुए आगे बढने का कार्य किया। अपने सिलेबस और उनकी विषयवस्तु को भी अपडेट किया। अब नए अकादमिक सत्र से एमसीयू के विद्यार्थियों को मीडिया और कम्युनिकेशन की इंडस्ट्री की मांग के अनुसार एआई तकनीक पढ़ाई जाएगी। यह बात एमसीयू एवं मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) के संयुक्त तत्वाधना में आज शुरू हुए एआई फार मीडिया एंड कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स विषय पर एफडीपी के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कही। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में एकआई एक अनिवार्य हस्तक्षेप बन चुका है। श्री तिवारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण आने वाले विद्यार्थियों के लिए एक अलग अनुभव होने वाला है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बतौर मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डा. अनिल कोठारी ने कहा कि एआई जैसे विषय पर पाठ्यक्रम डेवलप करने में

एमसीयू का बेहतरीन काम है। यह रियल टाइम कार्य है जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्र बहुत जरूरी है। इसका शिक्षण एवं प्रशिक्षण भी जरूरी है। पत्रकारिता में एआई के उपयोग को जरूरी बताते हुए श्री कोठारी ने कहा कि भविष्य में भी विज्ञान पत्रकारिता एवं संचार के क्षेत्र में एमपीसीएसटी और एमसीयू मिलकर कार्य करेंगें। इस अवसर पर मुख्य वक्ता और हरियाणा के गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर उमेश आर्य ने कहा कि एआई के साथ काम करने के लिए उसकी बुनियादी समझ बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें एआई की अवधारणा और उसके दर्शन को समझते हुए इसमें काम करना होगा।

नई शिक्षा नीति और एआई पर हुई चर्चा

प्रथम तकनीकी सत्र में पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के प्रोफेसर मुनीशचंद्र त्रिवेदी ने नई शिक्षा नीति और एआई विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि एआई शिक्षा को और समावेशी बनाती है। यह विद्यार्थियों को नए विषयों को आसान भाषा में समझने में बहुत सहायक है। उन्होंने प्राम्प्ट कैसे दे यह समझाते हुए कहा कि रिसर्च आदि सेक्टर्स मे भी एआई बहुत उपयोगी है। दूसरे तकनीकी सत्र में प्रोफेसर उमेश आर्य ने हैंड्स आन लर्निंग के तहत एआई प्लेटफार्म्स पर काम करने के कुछ प्रैक्टिकल करवाए। लंबी रिर्पोट्स का साराश तैयार करना, वीडियो के बारे में विश्लेषण करना, बुलेट्स पाइंट में सारांश तैयार करना, दो वीडियो रिर्पोट की तुलना करने के कई प्रैक्टिकल उन्होंने विस्तार से समझाए। सत्रों का संचालन एवं समन्वय विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभागाध्यक्ष डा. पवित्र श्रीवास्वत ने किया। यह एफडीपी 17जुलाई तक चलेगा। यह कार्यक्रम विशेष तौर मीडिया और कम्युनिकेशन से जुड़ अकादमिक और पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया है जो कि अकादमिक और इंडस्ट्री, दोनों ही क्षेत्रों के लोगों लिए आयोजित किया जा रहा है। इस एफडीपी में एआई और जेनरेटिव कंटेंट, मल्टिफार्म डेटा विद पिनपाइंट, डीपफेक, सिथेटिक मीडिया फोरेंसिक्स, एआई न्यूजरूम आर्किटेक्चर, एआई एथिक्स सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों का समावेश किया गया है। आगामी दिनों में इस कार्यक्रम में इंडस्ट्री, रिसर्च और अकादमिक क्षेत्रों के कई विशेषज्ञ प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'09 JULY.2026

एमसीयू में छात्रों के लिए मीडिया पर कार्यशाला

बदलते दौर के बीच स्टूडेंट को पढ़ाई जाएगी एआई और तकनीक

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. बदलते दौर में तकनीक से जुड़ाव जरूरी है। जिस तरह की जरूरत है उसके मुताबिक एआई और तकनीक छात्रों को पढाई जाएगी। यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) और मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) में 'एआई फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स' पर कार्यशाला में कही गई। इसका शुभारंभ हुआ है। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि आज़ की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक अनिवार्य हस्तक्षेप बन चुका है। नए अकादमिक सत्र से एमसीयू के विद्यार्थियों को मीडिया इंडस्ट्री की मांग के अनुसार एआई तकनीक पढ़ाई जाएगी। शिक्षकों को भी इन नई तकनीकों के साथ खुद को लगातार अपडेट रखना होगा।

मुख्य अतिथि एमपीसीएसटी के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि मीडिया में एआई का पाठ्यक्रम तैयार करना एमसीयू का कदम है। भविष्य में दोनों संस्थान विज्ञान, पत्रकारिता के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। 17 जुलाई तक आयोजन जारी रहेगा।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'09 JULY.2026

प्राध्यापक बने विद्यार्थी, कुलगुरु पीछे बैठकर ले रहे नोट्स

एमसीयू में एआई की सुपरमास्टर क्लास

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नए सत्र की तैयारी है। पहले चरण की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है। क्लासरूम खुल रहे हैं। मगर दृश्य अनूठा है। पहली क्लास विद्यार्थियों की नहीं है। यहाँ सारे प्रोफेसर और एचओडी स्वयं दस दिन के लिए विद्यार्थी की भूमिका में विद्यार्थियों की ही जगह पर बैठे एक नए विषय में बाहर से आए विशेषज्ञों को सुन रहे हैं। प्रेक्टिकल कर रहे हैं। प्रश्न पूछ रहे हैं। नोट्स ले रहे हैं। रोचक यह है कि कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी स्वयं बैक बेंचर हैं। वे विद्वान आचार्यों के सबसे पीछे बैठे अपनी डायरी में नोट्स ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के तक्षशिला भवन स्थित लता मंगेशकर सभागृह में यह एक ऐसी सुपर मास्टर क्लास है, जिसकी तैयारी पिछले आठ महीने से चलती रही है।

यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से दस दिन के फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का हिस्सा है, जिसमें देश के जाने-माने एआई विशेषज्ञ पढ़ाने वालों को पढ़ाने आ रहे हैं। विश्वविद्यालय में पहली बार मीडिया के पाठ्यक्रमों में इसी सत्र से एआई जुड़ने जा रहा है।

दो साल का एक नया पीजी कोर्स भी जोड़ा गया है। इस नए विषय के लिए सब स्वयं को तैयार करने में जुटे हैं ताकि एडमिशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरु होने वाली कक्षाओं में वे विद्यार्थियों का सामना पूरी तैयारी से कर सकें।

एमसीयू में एआई एफडीपी का दूसरा दिन

विषय विशेषज्ञ उमेश आर्य ने कहा कि अकादमिक और रिसर्च सेक्टर्स में एआई से बहुत अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। कई एआई टूल्स की सहायता से बहुत बड़े डेटा और डाक्युमेंट्स को कुछ ही समय में विश्लेषित किया जा सकता है। इसके साथ ही अगर बड़ी फाइलों का तुलनात्मक अध्ययन करना हो, संक्षेपिका तैयार करनी हो तो भी एआई बहुत मददगार हो सकता है। उन्होंने आगे बताया कि एआई के साथ काम करने से रिसर्च में बहुत मदद मिलती है। साथ ही एआई के साथ काम करने के लिए लिए उसकी कार्यप्रणाली और कुछ बुनियादी टूल्स की समझ बहुत जरूरी है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'10 JULY.2026

मीडिया कोर्स में एआई नए सत्र से जुड़ेगा, विशेषज्ञ दे रहे हैं प्रशिक्षण

एमसीयू में दस दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

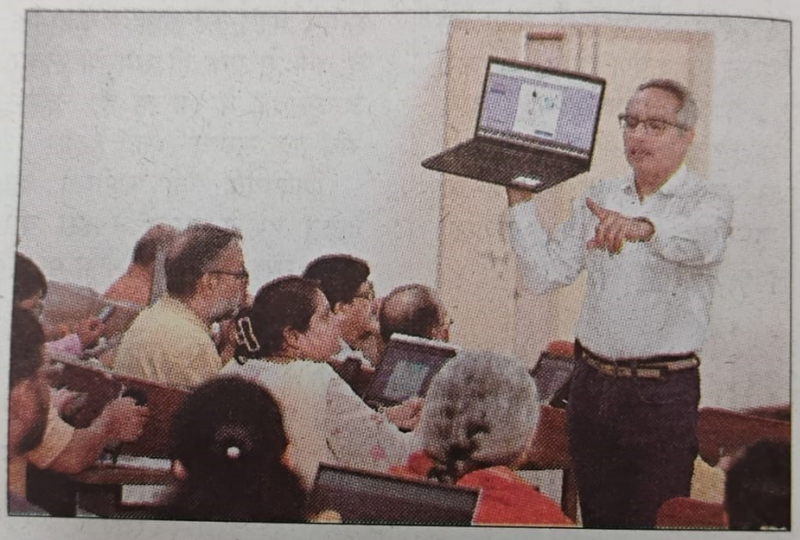

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9827363130

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र से पहले प्रोफेसरों और विभागाध्यक्षों के लिए 10 दिनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रशिक्षण आयोजित हो रहा है। इसमें शिक्षक एआई की बारीकियां सीख रहे हैं। कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी भी बैक बेंचर बनकर नोट्स लेते नजर आए। मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से इसमें 'एआई फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स' थीम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय में पहली बार मीडिया पाठ्यक्रमों में नए सत्र से एआई कोर्स को भी शामिल किया जा रहा है, साथ ही एआई आधारित नया पीजी कोर्स भी शुरू होगा। इसी को ध्यान में रख आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'10 JULY.2026

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जब एमसीयू में बैक बेंचर बने कुलगुरु, लगी' मास्टर क्लास'

भोपाल. माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में दिलचस्प नजारा देखने को मिला। विश्वविद्यालय के तक्षशिला भवन स्थित लता मंगेशकर सभागृह में एक 'सुपर मास्टर क्लास' में सीनियर प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष खुद स्टूडेंट्स की बेंच पर बैठकर नोट्स ले रहे हैं, और विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी सबसे पीछे 'बैक बेंचर' की भूमिका में डायरी थामे नजर आए। मौका था फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का। विश्वविद्यालय में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से 10 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है, जिसका विषय एआई फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स है। कार्यशाला के दूसरे दिन एआई विशेषज्ञ प्रोफेसर उमेश आर्य ने शिक्षकों को एआई टूल्स का व्यावहारिक ज्ञान दिया। सेशन में समझाया कि कैसे अकादमिक और रिसर्च सेक्टर में एआई गेमचेंजर साबित हो सकता है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'10 JULY.2026

एआइ की सुपर मास्टर क्लास... प्रोफेसर बने विद्यार्थी, कुलगुरु ने संभाली बैक बेंचर की सीट

एमसीयू ● दस दिनी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में देशभर के विशेषज्ञ दे रहे प्रशिक्षण

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों के बीच इन दिनों एक अनोखा दृश्य देखने को मिल रहा है। यहां कक्षाओं में विद्यार्थी नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष और शिक्षक स्वयं विद्यार्थी की भूमिका निभा रहे हैं। दस दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) के तहत सभी शिक्षक एआइ की बारीकियां सीख रहे हैं। खास बात यह है कि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी भी प्रतिभागियों के साथ सबसे पीछे बैठकर नोट्स ले रहे हैं और विशेषज्ञों से सीख रहे हैं।

तक्षशिला भवन स्थित लता मंगेशकर सभागार में आयोजित यह सुपर मास्टर क्लास मध्यप्रदेश विज्ञान व प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से आयोजित की जा रही है। इसकी तैयारी पिछले आठ माह से की जा रही थी। विश्वविद्यालय इस सत्र से मीडिया व संचार के पाठ्यक्रमों में एआइ को शामिल करने जा रहा है। साथ ही एआइ आधारित दो वर्षीय नया स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। इसी उद्देश्य से शिक्षकों को पहले प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के अनुरूप शिक्षा दी जा सके। एफडीपी के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ प्रो. उमेश आर्य ने बताया कि अकादमिक और शोध कार्यों में एआइ बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि एआइ आधारित विभिन्न टूल्स की संहायता से बड़े डेटा और दस्तावेजों का कम समय में विश्लेषण किया जा सकता है। इसके अलावा लंबी रिपोर्टों का सारांश तैयार करना, दस्तावेजों का तुलनात्मक अध्ययन करना और शोध कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना भी एआइ के माध्यम से संभव है।

एमसीयू में शिक्षक ले रहे एआइ की कक्षा। ● सौजन्य : आयोजक

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने बैक बेंचर छात्र की भूमिका निभाई। ● सौ : आयोजक

शोध कार्यों में एआइ के उपयोग की दी जानकारी

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न एआइ प्लेटफार्म पर व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। इसमें डेटा विश्लेषण, तुलनात्मक रिपोर्ट तैयार करना, बड़े दस्तावेजों का संक्षेपण और शोध संबंधी कार्यों में एआइ के उपयोग की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने इस बात पर भी जोर दिया कि एआइ का प्रभावी उपयोग करने के लिए उसकी कार्यप्रणाली और प्रमुख टूल्स की समझ होना आवश्यक है। दस दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आगामी सत्रों के दौरान जेनरेटिव एआइ, मल्टीफार्म डेटा विश्लेषण, डीपफेक, सिंथेटिक मीडिया फोरेंसिक्स, एआइ न्यूजरूम आर्किटेक्चर, एआइ एथिक्स तथा मीडिया उद्योग में एआइ के व्यावहारिक उपयोग जैसे विषयों पर देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे। विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षकों को नई तकनीकों से दक्ष बनाकर मीडिया शिक्षा को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'10 JULY.2026

एमसीयू में दस दिन एआई की हलचल, प्रोफेसर बने विद्यार्थी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर दस दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस दौरान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष विद्यार्थी की भूमिका में विशेषज्ञों से एआई की बारीकियां सीख रहे हैं।

खास बात यह है कि कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी भी इस प्रशिक्षण में अन्य प्रतिभागियों की तरह पीछे बैठकर नोट्स लेते नजर आए। तक्षशिला भवन स्थित लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित यह फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

परिषद के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का विषय 'एआई: फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स' रखा गया है।

विश्वविद्यालय में पहली बार मीडिया पाठ्यक्रमों में एआई को शामिल किया जा रहा है। इसके साथ ही एआई सें संबंधित दो वर्षीय पीजी कोर्स भी शुरू किया जाएगा। नए विषय को लेकर शिक्षक स्वयं को तैयार कर रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ श्री उमेश आर्य ने एआई के उपयोग और उसकी कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एआई की मदद से बड़े डेटा और दस्तावेजों का कम समय में विश्लेषण किया जा सकता है। शोध कार्यों, रिपोर्ट तैयार करने, दस्तावेजों का सारांश बनाने और तुलनात्मक अध्ययन में एआई उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने प्रतिभागियों को एआई प्लेटफॉर्म के माध्यम से डेटा एनालिसिस, रिपोर्ट तैयार करने और अन्य व्यावहारिक कार्यों का प्रशिक्षण दिया। आगामी सत्रों में एआई और जेनरेटिव कंटेंट, डीपफेक, सिंथेटिक मीडिया फोरेंसिक्स, एआई न्यूजरूम आर्किटेक्चर और एआई एथिक्स जैसे विषयों पर विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे।

विश्वविद्यालय का यह प्रयास मीडिया शिक्षा में तकनीक के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए शिक्षकों और विद्यार्थियों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'10 JULY.2026

दस दिन के फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, देश के जाने-माने एआई विशेषज्ञ पढ़ाने वालों को पढ़ाएंगे

एमसीयू में दस दिन एआई की हलचल, प्रोफेसर बने विद्यार्थी, वीसी बैक बेंचर

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

राजधानी स्थित माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में नए सत्र की तैयारी है। पहले चरण की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है, कक्षाएं खुल रहीं हैं और दृश्य अनूठा है। पहली क्लास विद्यार्थियों की नहीं है। यहाँ सारे प्रोफेसर और एचओडी स्वयं दस दिन के लिए विद्यार्थी की भूमिका में विद्यार्थियों की ही जगह पर बैठे एक नए विषय में बाहर से आए विशेषज्ञों को सुन रहे हैं। प्रेक्टिकल कर रहे हैं। प्रश्न पूछ रहे हैं। नोट्स ले रहे हैं। रोचक यह है कि कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी स्वयं बैक बेंचर हैं। वे विद्वान आचार्यों के सबसे पीछे बैठे अपनी डायरी में नोट्स ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के तक्षशिला भवन स्थित लता मंगेशकर सभागृह में यह एक ऐसी सुपर मास्टर क्लास है, जिसकी तैयारी पिछले आठ महीने से चलती रही है। यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से दस दिन के फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का हिस्सा है, जिसमें देश के जाने-माने एआई विशेषज्ञ पढ़ाने वालों को पढ़ाने आ रहे हैं।

एमसीयू में एआई एफडीपी का दूसरा दिन

गुरूवार को उपस्थित विषय विशेषज्ञ उमेश आर्य ने कहा कि अकादमिक और रिसर्च सेक्टर्स में एआई से बहुत अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। कई एआई टूल्स की सहायता से बहुत बड़े डेटा और डाक्युमेंट्स को कुछ ही समय में विश्लेषित किया जा सकता है। इसके साथ ही अगर बड़ी फाइलों का तुलनात्मक अध्ययन करना हो, संक्षेपिका तैयार करनी हो तो भी एआई बहुत मददगार हो सकता है। उन्होंने आगे बताया कि एआई के साथ काम करने से रिसर्च में बहुत मदद मिलती है। साथ ही एआई के साथ काम करने के लिए लिए उसकी कार्यप्रणाली और कुछ बुनियादी टूल्स की समझ बहुत जरूरी है। प्रोफेसर उमेश आर्य ने आज आयोजित सत्रों में प्रैक्टिकल के साथ एआई प्लेटफार्म्स पर डेटा एनालिसिस, तुलनात्मक रिपोर्ट्स तैयार करना, लंबी रिपोर्ट्स और डाक्युमेंट्स का सारांश तैयार करना जैसे महत्वपूर्ण काम करने का प्रशिक्षण दिया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'10 JULY.2026

एमसीयू में हुआ आयोजन

सुपर मास्टर क्लास में प्रोफेसर बने स्टूडेंट, वीसी बैक बैंचर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि में नए सत्र की तैयारी है। पहले चरण की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है। क्लासरूम खुल रहे हैं। पहली क्लास विद्यार्थियों की नहीं है। यहां सारे प्रोफेसर और एचओडी स्वयं दस दिन के लिए विद्यार्थी की भूमिका में विद्यार्थियों की ही जगह पर बैठे एक नए विषय में बाहर से आए विशेषज्ञों को सुन रहे हैं। प्रेक्टिकल कर रहे हैं। प्रश्न पूछ रहे हैं। रोचक यह है कि विवि के कुलगुरु स्वयं बैक बेंचर हैं। वे विद्वान आचार्यों के सबसे पीछे बैठे अपनी डायरी में नोट्स ले रहे हैं। यह एक ऐसी सुपर मास्टर क्लास है, जिसकी तैयारी पिछले आठ महीने से चलती रही है। यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर दस दिन के फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हिस्सा है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'10 JULY.2026

दैनिक भास्कर भोपाल सिटी भास्कर 10-07-2026

MCU में मास्टर क्लास... कुलगुरु बने बैक बेंचर, प्रोफेसर बने छात्र

सिटी रिपोर्टर • माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) में नए सत्र की तैयारी शुरू हो गई है। क्लासरूम खुल रहे हैं। मगर दृश्य अनूठा है। पहली क्लास विद्यार्थियों की नहीं है। यहां सारे प्रोफेसर और एचओडी खुद 10 दिन के लिए विद्यार्थी की भूमिका में बैठेंगे। वे नए विषय में विशेषज्ञों को सुन रहे हैं। प्रश्न पूछ रहे हैं। रोचक यह है कि कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी स्वयं बैक बेंचर हैं। वे आचार्यों के पीछे बैठे डायरी में नोट्स लिख रहे हैं।

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

विश्वविद्यालय के तक्षशिला भवन के ऑडिटोरियम में गुरुवार को सुपर मास्टर क्लास हुई। यह एआई पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से 10 दिन के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का हिस्सा है। इसमें देश के जाने-माने एआई विशेषज्ञ पढ़ाने वालों को पढ़ाने आ रहे हैं। विश्वविद्यालय में पहली बार मीडिया के पाठ्यक्रमों में इसी सत्र से एआई जुड़ने जा रहा है। दो साल का एक नया पीजी कोर्स भी जोड़ा गया है। गुरुवार को विषय विशेषज्ञ उमेश आर्य जुड़े।